व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि –पिछवाड़े मुर्गी पालन

द्वारा

शिव शक्ति -स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआई जी नाम	::	शिव शक्ति पोल्ट्री फार्म
वीएफडीएस नाम	::	मनोह
श्रेणी	::	शाहपुर
विभाजन	::	धर्मशाला

इसके तहत तैयार:

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

विषयसूची

क्रम.	विवरण	/पृष्ठ
1	कार्यकारी सारांश	5-3
2	सामान्य हित समूह का विवरण	6-7
3	गांव की भौगोलिक स्थिति	8
.4	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	9
5	उत्पादन प्रक्रिया	10-9
6	उत्पादन योजना	10
7	विपणन	11
8	समूह के सदस्यों के बीच उद्यम का प्रबंधन	12
9	स्वोट अनालिसिस	13
10	संभावित जोखिम और उन्हें कम करने के उपाय	14
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	15
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	16
13	अनुमान लगाना	17-18
14	लाभ लागत विश्लेषण)एक चक्र के लिए(	19
15	**पैसे की जरूरत**	20
	क वित्तीय आवश्यकता का समूह	20
	बी वित्तीय संसाधनों का समूह	20
16	ब्रेक ईवन पॉइंट की गणना	20
17	ऋण चुकौती के लिए किस्त योजना	21-24
18	अनुमोदन पत्र	25-26

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है और पश्चिमी हिमालय में स्थित है। इसकी विशेषता कई चोटियों और व्यापक नदी प्रणाली की विशेषता वाले चरम परिदृश्य हैं। हिमाचल प्रदेश को "भगवान की भूमि "के रूप में जाना जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध है।

हिमाचल प्रदेश में 12जिले हैं और कांगड़ा राज्य के 12प्रशासनिक जिलों में से एक है। कांगड़ा जिले को 35प्रशासनिक उप-विभागों में विभाजित किया गया है। 2011की जनगणना के अनुसार कांगड़ा जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 5,739 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या 1423794है।

जिले में *733* मीटर से लेकर *1000* फीट की ऊंचाई तक की घाटियाँ हैं। कांगड़ा जिला जालंधर दोआब से लेकर हिमालय की दक्षिणी श्रेणियों तक फैला हुआ है। यह बानेर नदी और माझी नदी के संगम पर स्थित एक शहर है और ब्यास यहाँ की एक महत्वपूर्ण नदी है। पोल्ट्री उद्योग भारतीय कृषि में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। अंडे प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत होने के कारण शहरी भारतीयों के बीच तेजी से पसंदीदा बन रहे हैं ,जो दुनिया में चौथा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक है। भारत में लेयर सेगमेंट बढ़ने के लिए तैयार है और वर्तमान में इसका अनुमान 10,000 करोड़ रुपये)100 बिलियन रुपये (है। कृषि मंत्रालय के अनुसार ,भारत का अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 47.3 बिलियन अंडे होने का अनुमान है। आज ,अधिक से अधिक 'अंडे के शौकीनों 'के बढ़ने के साथ ,अंडे की खपत सालाना 8% - 10% की दर से बढ़ रही है। यह छोटे/सीमांत किसानों और कृषि मजदूरों के लिए सहायक आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पक्षियों से प्राप्त खाद से अच्छी आय होती है।

जैविक पदार्थ। चूंकि कृषि ज्यादातर मौसमी होती है ,इसलिए मुर्गी पालन के माध्यम से कई लोगों के लिए पूरे साल बढ़िया भोजन रोजगार की संभावना है। पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं के साथ विशेष रूप से अंडे के उत्पादन के लिए और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से लोकप्रिय हो गया है। क्षेत्र में वर्तमान मांग अधिक है। यह दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और क्षेत्र में झुंड की वर्तमान ताकत बढ़ती मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। एकीकृत कृषि प्रणाली ,संपर्क खेती ,आहार और स्वास्थ्य के बारे में लोगों की जागरूकता ,अन्य मांस की तुलना में पोल्ट्री मांस की लागत प्रभावशीलता ,इसके अपनाने में वृद्धि शामिल है।

कम वसा सामग्री ,बेहतर प्रोटीन गुणवत्ता और लोगों की जीवन शैली में बदलाव भी पोल्ट्री क्षेत्र के शानदार विकास के लिए जिम्मेदार हैं।

मुर्गीपालन के मुख्य उद्देश्य हैं- :

i) अण्डों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए।

ii) कांगड़ा के गरीब किसानों की आय बढ़ाना।

वीएफडीएस मनोह के 12पुरुष सदस्यों के समूह ने मुर्गीपालन को अपनी IGAगतिविधि के रूप में चुना है। उन्होंने मुर्गीपालन का निर्णय लिया है और कुछ SHGअपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही इस गतिविधि में हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGAके रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त धन कमा सकें और कठिन समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। विभिन्न आयु समूहों के 12पुरुषों का एक समूह JICAपरियोजना के तहत एक SHGबनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना का मसौदा तैयार करने का निर्णय लिया जो उन्हें इस IGA को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके। प्रस्तावित इकाई उस भूमि के टुकड़े पर स्थित होगी जिसके लिए ग्राम पंचायत सलीहार ने इस गतिविधि को शुरू करने के लिए प्रस्ताव/एनओसी दिया और पारित किया है। साइट लगभग समतल है और पहुंच मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। मुर्गीपालन के लिए बिजली एक आवश्यक घटक है क्योंकि इसकी आवश्यकता चूजों के पालन-पोषण के लिए होती है और पानी की

आपूर्ति के साथ-साथ क्षेत्र की रोशनी के लिए पंप का उपयोग किया जाता है। यह फार्म साइट के पास उपलब्ध है। पानी की आपूर्ति के आश्वासन के अभाव में ,एक ट्यूब

कुआं /हैंडपंप प्रस्तावित है। भूमिगत जल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा इसकी गुणवत्ता अच्छी है।

आवास के लिए ,लेयर के मामले में 1वर्ग फीट की दर से ब्रूडर-कम-ग्रोअर हाउस के निर्माण का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा ,फार्म में एक छोटा स्टोर रूम ,कार्यालय और नौकरों के लिए क्वार्टर भी होंगे।

मकान का निर्माण पक्का होगा ,छत भी पक्की होगी। घर में बिछाने के लिए घोंसले बनाने का भी प्रावधान किया गया है। ट्यूबवेल लगाने और पाइपलाइन बिछाने का काम भी होना है। एक दिन के व्यावसायिक संकर चूजों को पास की हैचरी से लाया जाएगा और चूजों को स्रोत पर ही मारेक रोग)एमडी (के खिलाफ टीका लगाया जाएगा। चूजों को नियमित अंतराल पर लॉट में खरीदा जाएगा।

चूजों के लिए चारा नजदीकी बाजार से खरीदा जाएगा ,जहां चारा उपलब्ध है या संभव हो तो सीधे फीड कंपनी के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इसी तरह ,दवा और पशु चिकित्सा सहायता सुविधाएं नजदीकी पशु चिकित्सा विभाग से उपलब्ध कराई जाएंगी।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	शिव शक्ति पोल्ट्री फार्म
2.2	वीएफडीएस नाम	::	मनोह
3.	श्रेणी	::	शाहपुर
3.4	विभाजन	::	धर्मशाला
3.5	गाँव	::	मनोह
3.6	अवरोध पैदा करना	::	रेहलु
3.7	ज़िला	::	कांगड़ा
3.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	12–पुरुष
3.9	गठन की तिथि	::	2022-12-13
3.10	बैंक खाता सं.	::	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक
3.11	बैंक विवरण	::	98171300000551
3.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	तारीख को आयोजित होगी (
3.13	कुल बचत	::	5000
3.14	कुल अंतर-ऋण	::	-
3.15	नकद क्रेडिट सीमा	::	-
3.16	पुनर्भुगतान स्थिति	::	-

लाभार्थियों का विवरण:

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	विनोद कुमार पुत्र श्री अभिमान	प्रधान	अनुसूचित जाति	30	10th	8580671940
2.	रविन्द्र कुमार पुत्र श्री चरणजीत सिंह	उपप्रधान	-Do-	29	10th	8219874173
3.	विजय कुमार पुत्र श्री बस्सी लाल	सचिव	-Do-	28	+2	7807103994
4.	कन्हैया लाल पुत्र श्री मितरू राम	कोषाध्यक्ष	-Do-	39	10th	7876852819
5.	शिव कुमार पुत्र बस्सी लाल	सदस्य	-Do-	[illegible]	BA	8263808298
6.	राजेश कुमार पुत्र श्री अभिमान	सदस्य	-Do-	28	5th	8278874357
7.	रवि कुमार पुत्र श्री चरणजीत सिंह	सदस्य	-Do-	30	+2	7876635957
8.	सुरिन्दर कुमार पुत्र श्री जय सिंह	सदस्य	-Do-	38	+2	8219599334
9.	महिन्द्र सिंह पुत्र श्री किशोरी लाल	सदस्य	-Do-	33	10th	8219525814
10.	ओम प्रकाश पुत्र श्री परस राम	-Do-	-Do-	28	+2	9853398780
11.	कुलदीप सिंह पुत्र श्री जय सिंह	-Do-	-Do-	35	B.A	8352002002
12.	संजय कुमार पुत्र श्री शिकार सिंह	सदस्य	-Do-	30	+2	9816161324
13.						
14.						
15.						
16.						

मनोह गांव का भौगोलिक विवरण

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	32किमी
4.2	रेंज कार्यालय से दूरी	::	8किमी
4.3	मुख्य सड़क से दूरी	::	8किमी
4.4	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	शाहपुर –8 किमी
4.5	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	शाहपुर -8 किमी ,कांगड़ा ,30-धर्मशाला -32 किमी
4.6	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	शाहपुर -8 किमी ,कांगड़ा -30, धर्मशाला -32 किमी

4.7	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा		शाहपुर -8 किमी ,कांगड़ा -30, धर्मशाला -32 किमी

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम		शिव शक्ति पोल्ट्री फार्म
2	उत्पाद पहचान की विधि		यह गतिविधि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है। इसके अलावा ,स्वयं सहायता समूह का एक सदस्य पहले से ही यह गतिविधि कर रहा है। स्थानीय बाजार में इसकी भारी मांग है जिससे अतिरिक्त आय बढ़ेगी।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति		हाँ

5. उत्पादन योजना का विवरण:

कांगड़ा स्थित पशुपालन विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। समूह ने निर्णय लिया है कि शुरू में चूजों का पालन किया जाएगा तथा जब वे बड़े हो जाएंगे तो उन्हें खुले व प्राकृतिक वातावरण में पाला जाएगा। इसलिए 18सप्ताह के बाद जब चूजे 2किलोग्राम तक का वजन प्राप्त कर लेते हैं और 6महीने के बाद ,मुर्गियां बड़ी होकर अंडे देने लगती हैं। स्थानीय बाजार में मुर्गी के मांस व अंडे की भारी मांग है। समूह के सभी सदस्यों के लिए इनका विपणन करना कोई समस्या नहीं होगी।

सामूहिक रूप से काम को बांटकर स्थानीय बाजार में बिक्री करेंगे ,उसके बाद ब्रायलर मुर्गी के अंडे से लेकर देसी मुर्गियों का भी विपणन करेंगे।

उत्पादन की योजना बनाना

पहला दौर:

कार्य दिवस 365 :दिन

कार्यरत व्यक्ति 12 :व्यक्ति)प्रतिदिन 2घंटों में से 1घंटा ,सुबह और शाम को एक घंटा(

चिकन और कच्चे माल का स्रोत :चिकन और के लिए पालमपुर पोल्ट्री फार्म अन्य समान फार्म कांगड़ा और धर्मशाला में स्थित हैं ।

अन्य संसाधनों का स्रोत : पालमपुर और कांगड़ा में स्थानीय हैचरी

आवश्यक सामग्री : 960टुकड़े

अनुमानित उत्पादन : 12x40 = 480मुर्गियाँ तैयार होंगी
चिकन द्रव्यमान के लिए!
480x 25 = 12000 अंडे प्रति माह

चक्र में कुल अंडा उत्पादन : 72000 = 6 x12000

6.1	समय लिया	::	ऊपरोक्त अनुसार
6.2	शामिल सदस्यों की संख्या	::	12पुरुष
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	पालमपुर ,कांगड़ा ,चंडीगढ़ ,पशु चिकित्सा
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	और कांगड़ा ,ज्वालामुखी में स्थानीय हैचरी
6.5	उत्पादन चक्र)दिनों में (4-5 घंटे/दिन कार्य के पश्चात 30दिन प्रतिदिन।	::	480 = 12 x40 480x 25 = 12000 अंडे प्रति माह
6.6	प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक)संख्या में(	::	**कुल -12सदस्य**

6. कच्चे माल की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन

1. विपणन /बिक्री का विवरण :

7.1	संभावित बाजार स्थान/स्थान	::	गांव और बाजार -रेहलू , शाहपुर और ,रैत ,कांगड़ा ,धर्मशाला
7.2	माँग	::	पूरे वर्ष और त्यौहारों तथा विवाह के समय उच्च मांग अवसर.
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य संपर्क करेंगे आस-पास के ग्रामीण/घर/रेस्तरां और होटल।
7.4	विपणन रणनीति	::	कवर किए गए गांव -मनोह , रेहलू ,शाहपुर और बोरू सरना
7.5	उत्पाद का ब्रांड	::	मनोह पोल्ट्री

2. समूह के सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेंगे।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का वितरण करेंगे।
- आबंटन कार्य की दक्षता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता ,कौशल एवं परिश्रम के आधार पर किया जाएगा।
- मार्केटिंग में अनुभव रखने वाले 04सदस्य बारी-बारी से मार्केटिंग करेंगे।
- प्रधान और सचिव उसी समय प्रबंधन का मूल्यांकन और निरीक्षण करते रहेंगे।

3. ग्राहकों

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर स्थानीय लोग ,मनोह और शाहपुर गांव के आसपास के रेस्तरां और होटल होंगे ,लेकिन बाद में इस व्यवसाय को खानपान द्वारा बढ़ाया जा सकता है

आस-पास की छोटी बस्तियाँ।

4. केंद्र का लक्ष्य

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य बलेहरा गांव के निवासियों और आस-पास के गांवों के अन्य निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाले और ताजे अंडे और मुर्गियां उपलब्ध कराना है। यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध पोल्ट्री फार्म बनना सुनिश्चित करेगा।

5. स्वोट अनालिसिस

- **ताकत**

- **मुर्गीपालन में** राष्ट्र की प्रोटीन आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है ,जहां कुपोषण व्याप्त है - क्योंकि अंडे/ब्रॉयलर दोनों ही प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं।

  ??ग्रामीण जनता की आय बढ़ाने में मदद करता है।

  ।

- **पोल्ट्री ,पौधों उत्पादों** अपशिष्टों को खाद्य पदार्थों में परिवर्तित करने के सबसे कुशल तरीकों में से एक है , जो विशेष रूप से भारत जैसे देश में कुपोषण की समस्या से कुछ हद तक निपट सकता है।

  अन्य मांस) गोमांस ,सूअर (के विपरीत ,जिन पर धार्मिक **प्रतिबंध हैं** ,चिकन भारत में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है और यह बकरी के मांस से सस्ता है।

  ??पोल्ट्री कूड़े में उच्च खाद मूल्य होता है और इसका उपयोग कृषि गतिविधियों में किया जा सकता है।

  इसमें गैर-कृषि रोजगार सृजित करने और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन को रोकने की जबरदस्त क्षमता है।

  ??कम निवेश आवश्यकताओं के साथ अपेक्षाकृत त्वरित रिटर्न उत्पन्न करता है।

- **कमजोरी ??मुर्गीपालन श्रम प्रधान है।**

  ??पोल्ट्री उद्योग की एक विशेष विशेषता यह है कि यह अत्यधिक विखंडित है

  खराब परिवहन ,बुनियादी ढांचे और कोल्ड चेन सुविधाओं की कमी वर्तमान में शीतित या जमे हुए उत्पादों की महत्वपूर्ण मात्रा को संभालने की व्यवहार्यता को सीमित करती है ।

  ??**कम उत्पादन लागत के साथ-साथ** शेड , फीडर ,ब्रीडर ,हीटिंग और कूलिंग सिस्टम जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश की लागत के कारण किसानों की आय कम हो जाती है।

  मानदंड) अधिकांश अनुबंधों में केवल 5 % मृत्यु दर की अनुमति है -अन्यथा किसान को दंडित किया जाता है और कम दर की पेशकश की जाती है (किसानों को असुरक्षित स्थिति में छोड़ देता है अवसर

??वर्तमान में प्रति व्यक्ति अन्य मांस) बीफ़ ,पोर्क (के विपरीत ,जिन पर धार्मिक प्रतिबंध हैं - चिकन भारत में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है और बकरी के मांस से सस्ता है। भारत में खपत दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है ,इसलिए मुर्गी पालन के लिए बड़ी गुंजाइश है।

इसके अलावा ,भारत में अंतर्राष्ट्रीय बाजार का दोहन करने की भी काफी क्षमता है।

संतुलित पोषण की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के **कारण** खाने की आदतों में

बदलाव आया है और अन्य सभी की तुलना में शाकाहारियों ने अंडे को अपने आहार का हिस्सा बना

लिया है।

खतरे/जोखिम

प्राकृतिक आपदाएँ

यदि पर्याप्त स्वास्थ्य सावधानियाँ नहीं बरती जाती हैं तो संक्रामक/संक्रामक बीमारियाँ फैल सकती हैं। हाल ही में एवियन फ्लू ने दुनिया भर में दहशत की लहर फैला दी है। पोल्ट्री उद्योग को प्रभावित करने वाले अन्य पहलू हाल ही में सार्स और इबोला तथा तपेदिक और मलेरिया जैसी पुरानी बीमारियाँ हैं।

➲ मुख्य खाद्य सामग्री यानी मक्का की कमी ,जो कि खाद्य राशन का हिस्सा अधिक है। इसलिए ,लागत में वृद्धि से लाभ भी खत्म हो सकता है।

6. संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय:

क्रमांक	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम न्यूनीकरण के उपाय
6.1	यह संभव है कि बाजार में मांग कम हो जाए , जिससे बिक्री और उत्पादन पर असर पड़े। आय।	::	विपणन उद्देश्य के लिए अतिरिक्त बाजार की खोज की जानी चाहिए।
6.2	की गुणवत्ता में गिरावट के कारण बिक्री कम हो सकती है।	::	उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को सख्त दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

7. मशीनरी ,औजार और अन्य उपकरण

क .मूल बातें और पूर्वधारणाएं

क्रमांक।	विवरण	इकाई	मात्रा
I.	**तकनीकी-आर्थिक मापदंड**		
1	पक्षियों की संख्या	नहीं।	980
2	प्रति वर्ष बैच	नहीं।	2
3	बैच का आकार	संख्या.	360
4	अंडे देने के लिए विचारित पक्षी	संख्या.	360
5	वध हेतु विचारित पक्षी	संख्या.	360
6	ब्रूडिंग एवं वृद्धि अवधि)सप्ताह में(		20
7	अंडे देने की अवधि सप्ताहों में		52
8	आवास का प्रकार		गहरा कूड़ा
9	ब्रूडर सह ग्रोवर हाउस में प्रति पक्षी आवश्यक स्थान	वर्ग फुट	1
10	लेयर शेड में प्रति पक्षी फर्श स्थान)पिंजरा प्रणाली(	वर्ग फुट	0.8
11	पुनर्भुगतान की अवधि	वर्ष	5
12	बैंक ऋण के लिए ब्याज दर	%	12
II. व्यय मानदंड			

➡	ब्रूडर सह ग्रोवर शेड के निर्माण की लागत	रु/.वर्ग फीट	125
2	लेयर शेड के निर्माण की लागत	रु/.वर्ग फीट	140
3	स्टोर रूम के निर्माण की लागत	रु/.वर्ग फीट	250
4	लेयर्स के लिए पिंजरों की लागत	रु/.पक्षी	90
5	फीडर ,पानी और ड्रेसिंग उपकरण	रु.	20
6	एक दिन के चूज़ों की कीमत	रु/.पक्षी	40
7	अंडे देने के दौरान आहार की आवश्यकता -52 सप्ताह अंडे देने के दौरान	रु/.पक्षी	21
8	उत्पादकों के दौरान आहार की आवश्यकता -20 सप्ताह	रु/.पक्षी	6
9	चिक/ग्रोवर मैश	रु/.किग्रा	14
10	लेयर मैश की लागत	रु/.किग्रा	12
11	दवा ,टीका ,श्रम एवं विविध शुल्क	रु/.पक्षी	8
12	बीमा	रु/.पक्षी	1
III. आय मानदंड			
1	प्रति पक्षी उत्पादित अंडों की संख्या	प्रति चक्र अंडे	120
2	अंडे का विक्रय मूल्य	रु/.अंडा	10
3	मारे गए पक्षियों का विक्रय मूल्य	रु/.पक्षी	700
4	खाद एवं बोरियों से आय	रु/.पक्षी	44

एक।	**पूंजीगत लागत**			
क्रम संख्या।	**का विवरण मशीनरी.**	**मात्रा**	**दर प्रति इकाई**	**कुल मात्रा**
.1	आवास की लागत)1 वर्ग फीट/पक्षी( )60*9=540 वर्ग फीट(	960	250	240000
.2	कुरोइलर चूजों की कीमत)दिन पुराना(	960	35	33600
.3	ब्रूडर सह ग्रोवरउपकरण	960	40	38400
.4	घर बनाना	960	75	72000
.5	जल आपूर्ति प्रणाली	रास	रास	12000
	कुल			**396000**

बी।	आवर्ती लागत

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति यूनिट दर)रु(.	राशि)रु(.
1	पहले दो बैचों के लिए उत्पादक चारा	क्यूटीएल.	12	2600	31200
2	चूजों को 1से 4 सप्ताह तक आहार दें	क्यूटीएल.	4	3000	12000
3	लेयर मछलियाँ 20 से 52सप्ताह तक भोजन करती हैं	क्यूटीएल.	20	2700	54000
4.	अंडे की पैकिंग/ट्रे	संख्या	2400	5	12000
5	चिकित्सा ,टीका ,श्रम और विविध प्रभार	रुपये/पक्षी	500	10	5000
6	सवारी डिब्बा/ परिवहन	रास	रास	रास	15000
7	**बीमा**	%	500	1	500
	कुल				**129700**

7. महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि चूंकि यह SHGमें उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है ,इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के कार्य घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे हमेशा समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है।

8. 1चक्र में कुल उत्पादन मात्रा और बिक्री मात्रा

सी(	**कुल बिक्री**			
क्रमांक	**विशिष्ट**	**मात्रा**	**दर) रु(.**	**राशि) रु(.**
1	**अंडे**	**72000**	**10**	**720000**
2	**मांस/चिकन**	**480**	**700**	**336000**
	कुल) सी(			**1056000**

विवरण	**कुल राशि)रु(.**	**परियोजना योगदान (%50)**	**एसएचजी योगदान (%50)**
कुल पूंजी लागत	396000	198000	198000
आवर्ती लागत	**129700**	**-**	**129700**
कुल	**525700**	**198000**	**327700**

150000रुपये की राशि परियोजना सहायता है इसलिए गणना के उद्देश्य से इस राशि को व्यय कॉलम से सुरक्षित रूप से घटाया जा सकता है और शुद्ध आय को फिर से फिर से डाला जा सकता है। इसके अलावा ,SHG के सदस्य सामूहिक रूप से काम करेंगे इसलिए उनकी मजदूरी को ध्यान में नहीं रखा गया है। महीने के अंत में शुद्ध आय को निम्नानुसार फिर से डाला जाता है:

पूंजीगत लागत		
ब्यौरा	**मात्रा**	**स्वयं सहायता समूह योगदान**
पूंजीगत लागत	396000	327700
आवर्ती व्यय		
i) 10% मूल्यह्रास पूंजीगत लागत प्रतिवर्ष	20775	
ii) सामग्री लागत आदि पर अन्य व्यय ।	129700	
कुल	150475	
कुल लागत	**478175=327700+150475**	
सेंट में कुल बिक्री चक्र	**1056000**	
शुद्ध लाभ	**577825**	

9. लाभ का बंटवारा

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है कि प्रथम चक्र में प्रत्येक सदस्य को 31485रुपये आय के रूप में दिए जाएंगे तथा शेष 200000रुपये का लाभ उनके बैंक खाते में आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में रखा जाएगा ,ताकि भविष्य में किसी आकस्मिक आवश्यकता की पूर्ति की जा सके।

10.समूह में निधि प्रवाह :

विवरण	कुल राशि)रु(.	परियोजना योगदान (%75)	एसएचजी योगदान (%25)
कुल पूंजी लागत	396000	297000	99000
आवर्ती लागत	**129700**	**-**	**129700**
प्रशिक्षण	**50000**	**50000**	
कुल	**575700**	**347000**	**138700**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** -कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** –सम्पूर्ण लागत SHG/CIG द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** -कुल लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी

8. के स्रोत और खरीद:

परियोजना समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75% उत्पाद की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। • स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

9. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

10. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है ;हालांकि ,सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में ,एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में ,पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

11. निगरानी विधि–

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

Remarks .12

-Group members Photos

हाउस ऑफ इंटरेस्ट के नियमों की सूची

1. समूह कार्य :बलेहरा पोल्ट्री फार्म;

2. समूह का पता :वीपीओ मनोह तहसील -शाहपुर जिला -कांगड़ा हिमाचल प्रदेश।

3. समूह के कुल सदस्य12:

4. प्रथम समूह बैठक की तिथि13.12.2022 :

5. समूह में प्रत्येक 50रुपए पर 2रुपए ब्याज मिलेगा।

6. समूह की मासिक बैठक प्रत्येक माह की 9तारीख को आयोजित की जाएगी।

7. समूह के सभी सदस्य हर माह बचत की गई राशि समूह में जमा करेंगे।

8. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होना होगा।

9. स्वयं सहायता समूह का खाता खोला जाएगा।

10. समूह बैठक में उपस्थित होने के लिए प्रधान एवं सचिव को उचित कार्य बताकर अनुमति लेनी होगी।

11. समूह में जो व्यक्ति बचत की राशि जमा नहीं करेगा या 3बैठकों तक समूह से अनुपस्थित रहेगा तो उस व्यक्ति को समूह से हटा दिया जाएगा।

12. जो व्यक्ति बिना कारण बताए समूह में उपस्थित रहेगा तो अगली बैठक उसी व्यक्ति के घर पर होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को स्वयं देना होगा ,यदि दो सदस्य हैं तो खर्च मिलकर देना होगा।

13. स्वयं सहायता समूह के प्रधान एवं सचिव का चुनाव सर्वसम्मति से किया जाएगा।

14. प्रधान एवं सचिव बैंक से लेन-देन कर सकेंगे ,यह पद एक वर्ष के लिए वैध रहेगा।

15. प्रधान ,सचिव या सदस्य समूह के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करेंगे तथा सदैव समूह की राशि का ही उपयोग करेंगे।

16. यदि सदस्य किसी कारणवश समूह छोड़ना चाहता है ,यदि इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को ऋण वापस करना होगा ,तभी वह समूह छोड़ सकता है अन्यथा नहीं ।

17. बैठक में ऋण का उद्देश्य ,राशि की अदायगी का समय ,ऋण की किस्त और ब्याज दर तय की जाएगी।

18. आपातकालीन स्थिति में प्रधानाचार्य और सचिव के पास कम से कम 1000रुपये होने चाहिए।

19. स्वयं सहायता समूहों का रजिस्टर सभी सदस्यों के सामने पढ़ा और लिखा जाना चाहिए।

20. बड़े उधारकर्ताओं को एक सप्ताह पहले सूचना देनी होगी।

21. जरूरत के समय सभी सदस्यों को ऋण उपलब्ध होना चाहिए।

22. यदि सदस्य बिना किसी कारण के समूह छोड़ना चाहता है ,तो उस सदस्य की जमा राशि समूह में विभाजित कर दी जाएगी।

23. शाहपुर रेंज धर्मशाला डिवीजन (के कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी ।

Shiv Shakti

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (मुर्गी पालन) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	विनोद कुमार	प्रधान	अनुसूचित	30	Vkum
2.	रविन्द्र कुमार	उपधान	-Do-	29	Ravinder Kum
3.	विजय कुमार	सचिव	-Do-	28	Vijay kumar
4.	कन्हैया लाल	सदस्य	-Do-	39	कन्हैया लाल
5.	शिव कुमार	-Do-	-Do-	32	Shiv kumar
6.	राजेश कुमार	-Do-	-Do-	28	राजेश
7.	रविकुमार	-Do-	-Do-	30	Ravi Kumar
8.	सुरिंदर कुमार	-Do-	-Do-	38	सुरिंदरकुमार
9.	महिन्द्र कुमार	-Do-	-Do-	33	महिन्द्र कुमार
10.	ओम प्रकाश	-Do-	-Do-	28	Om Parkash
11.	कुलदीप सिंह	-Do-	-Do-	35	Kuldeep Kum
12.	संजय कुमार	-Do-	-Do-	30	संजय कुमार
13.					
14.					
15.					
16.					

हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
Range Forest Officer
Shahpur, Distt. Kangra
(H.P.)

Divisional Forest Officer
Dharamshala Forest Division,
Dharamshala

15